an>

Title: Regarding alleged corruption in MNREGA in district Balrampur in Shrevasti Parliamentary Constituency.

श्री दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मनरेगा में घोटाले की खबरें आम आती रहती हैं। ...(व्यवधान) अक्सर बिना कार्य कराये रकम निकाल लिये जाने की खबरें समाचार-पत्रों में छपती रही हैं। ...(व्यवधान) मैं आज आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान अपने संसदीय निर्वाचन श्रावस्ती के जनपद बलरामपुर की ग्राम पंचायत चौकिया, विकास खंड गैंसडी में ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से बिना कराये मनरेगा ग्राम निधि खाते से एक लाख 80 हजार रुपया आहरित कर लिये जाने की ओर आकर्षित कर रहा हूं। ...(व्यवधान) यह घटना तीन वर्ष पुरानी यूपीए सरकार के कार्यकाल की है। ...(व्यवधान) समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपने और स्थानीय जनता की लिखित शिकायत पर जनपद बलरामपुर के गैंसडी ब्लाक के खंड विकास अधिकारी ने 13 अगस्त, 2012 को पत्रांक संख्या 1267/स्था. पत्रा./2012-13 द्वारा जांच आख्या प्रस्तुत कर विस्तृत रिपोर्ट के माध्यम से उक्त घोटाले की पुष्टि की थी और ग्राम प्रधान एवं ग्राम विकास अधिकारी सचिव के विरूद्ध गलत अभिलेखीय रचना एवं राजकीय धन का बिना कार्य कराये आहरण कर गबन के संदर्भ में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करवाने के लिए प्रभारी निरीक्षक, थाना कोतवाली, गैंसडी, जनपद बलरामपुर को निर्देश भी दिया था। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, खेद है कि शासन की लापरवाही से मामला अब भी लंबित है। बिना कार्य कराये सरकारी धन हड़पने की पुष्टि होने के कई वर्षों बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई लंबित होने से जनता हतोत्साहित है और भ्रष्टाचार करने वालों का मनोबल दिन-दिनों बढ़ता जा रहा है। ...(व्यवधान) यह गंभीर मामला है। केन्द्र सरकार के धन को हड़पने वालों पर राज्य सरकार द्वारा कार्रवाई करने में इतनी देर करने से हम सबका चिन्तित होना लाजिमी है। ...(व्यवधान)

अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस मामले में समयबद्ध संज्ञान लेकर दोषियों को दंडित करवाने के साथ-साथ सरकारी धन की मय ब्याज वसूली सुनिश्चित करायी जाये। ...(व्यवधान)

माननीय उपाध्यक्ष जी, इसके अलावा और भी तमाम गांवों में इस तरह के घोटाले की शिकायतें आती रहती हैं। विकास खंड गैंसडी व बलरामपुर जिले के अन्य ग्रामों में भी भ्रष्टाचार व्याप्त है। ...(व्यवधान)